मौसम की चरम घटनाएँ और मानव क्षति

चर्चा में क्यों?

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, **मध्य प्रदेश में वर्ष 2023 के दौरान मौसम की चरम घटनाओं के कारण सबसे अधिक मौतें** हुई हैं।

मुख्य बिंदु:

- मौसम की चरम घटनाओं के कारण **2,376 से अधिक लोगों की मौत** के साथ, IMD के अनुसार वर्ष 2023, वर्ष 1901 के बाद से रिकॉर्ड पर सबसे अधिक मौत वाला वर्ष था।
- वर्ष 2023 के दौरान भारत में **वार्षिक औसत भूमि सतह वायु तापमान दीर्घकालिक औसत (1981-2010 अवधि) से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक** था, जो वर्ष 1901 के बाद से रिकॉर्ड पर दूसरा सबसे गर्म वर्ष बन गया।
- विश्व स्तर पर, वर्ष 2023 अक्तूबर तक पूर्व-औद्योगिक स्तर (1850 - 1900 औसत) से लगभग **1.40 (± 0.12) डिग्री सेल्सियस** उच्च वैश्विक औसत तापमान के साथ "रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष" था।
    - **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)** द्वारा नवंबर और दिसंबर के वैश्विक औसत तापमान को ध्यान में रखते हुए **अंतिम आँकड़े बाद में जारी किये जाएंगे।**
- वैश्विक तापमान के साथ-साथ भारत में भी उल्लेखनीय वृद्धि का श्रेय **अल-नीनो जैसी घटनाओं** (मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि जो मानसून को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है) को दिया जा सकता है।
- WMO ने पहले ही पूर्वानुमान लगाया है कि **अल नीनो की घटना से "वर्ष 2024 के प्रमुख रूप से गर्म रहने' की संभावना है।**
- देश में सबसे अधिक मौतें बिजली गिरने **और तूफान जैसी** प्राकृतिक आपदाओं से हुई है, जिसके बाद बाढ़ **तथा अधिक बारिश** से हुई हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/extreme-weather-and-human-casualty